भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 189
उत्तर देने की तारीख 25 नवंबर, 2024
4 अग्रहायण, 1946 (शक)

ओलंपिक में पदक संख्या बढ़ाए जाने की रणनीति

189. कैप्टन बृजेश चौटा:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ओलंपिक में पदक तालिका बढ़ाए जाने और मौजूदा 15-20 खेलों से सभी 32 सूचीबद्ध खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की सहभागिता बढ़ाए जाने के लिए कोई रूपरेखा/रणनीति तैयार की गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) कर्नाटक में खेलो इंडिया के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का विचार विशेष रूप से कर्नाटक और दक्षिण कन्नड़ में कोई नया खेलो इंडिया केंद्र स्थापित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार खेलो इंडिया के अंतर्गत पारंपरिक भारतीय खेलों को शुरू करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख) ओलंपिक सहित अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं की तैयारी एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है। राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) की ओलंपिक, एशियाई खेलों आदि जैसी मेगा-खेल स्पर्धाओं सहित अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों/टीमों को तैयार करने के लिए प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धी एक्सपोजर, कोच और विदेशी कोचों सहित सहायक कर्मियों से संबंधित योजनाओं/प्रस्तावों पर

प्रशिक्षण और प्रतियोगिता की वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) की बैठकों में विचार-विमर्श किया जाता है और उन्हें अंतिम रूप दिया जाता है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारतीय खिलाड़ियों/टीमों को विभिन्न स्कीमों जैसे कि राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम और टार्गेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के माध्यम से सहायता करता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) सहित राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ओलंपिक सहित आगामी अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के लिए टीमों और खिलाड़ियों की तैयारी के लिए आवश्यक उत्तम सुविधाएं, प्रशिक्षण, उपकरण संबंधी सहायता और पूर्ण पौष्टिक आहार प्रदान करने के लिए निकट समन्वय में काम कर रहे हैं।

इसके अलावा, मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के माध्यम से मेगा खेल स्पर्धाओं के लिए पदक जीतने की संभावना वाले शीर्ष एथलीटों के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण का चयन किया जाता है। इस तंत्र के तहत नियमित अंतराल पर निष्पादन की समीक्षा भी की जाती है।

ओलंपिक में भागीदारी के लिए, संबंधित खेल विधाओं के निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा योग्यता मानदंड/मानक तय किए जाते हैं और ओलंपिक में भागीदारी खिलाड़ियों द्वारा ओलंपिक क्वालीफायर में अर्हता प्राप्त करने और अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करने पर निर्भर करती है।

(ग) और (घ) : खेलो इंडिया स्कीम के तहत, वर्तमान में, कर्नाटक राज्य में खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) के विभिन्न घटकों के तहत कुल 1115 एथलीट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान में दक्षिण कन्नड़ के मंगलौर के मंगला स्टेडियम में एक केआईसी पहले से ही क्रियान्वित है। इसके अलावा, आज की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक राज्य सहित अधिसूचित सभी केआईसी का विवरण डैशबोर्ड पर https://dashboard.kheloindia.gov.in/state-wise-khelo-india-centers# पर उपलब्ध है।

(ङ) : खेलो इंडिया स्कीम के तहत पारंपरिक/देशज खेलों को भी सहायता दी जाती है। खो-खो, कबड्डी, मल्लखंब आदि विभिन्न पारंपरिक खेलों में केआईसी को अधिसूचित किया गया है। इसके अलावा, मल्लखंब, कलारीयापट्टू, गतका, थांग-ता और योगासन जैसे देशज खेलों को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 हरियाणा और खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 मध्य प्रदेश में प्रतिस्पर्धी खेलों के रूप में शामिल किया गया और कर्नाटक में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 और उत्तर प्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 में मल्लखंब तथा योगासन को भी हिस्सा बनाया गया। हाल ही में, तमिलनाडु में खेले गए खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023, में सिलंबम को एक डेमो खेल के रूप में शामिल किया गया।

*****